Issue of Prospecting Mining Licences

2855. **SHRI VAYALAR RAVI:** Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government have approved/issued eleven prospecting mining licences;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether the foreign companies are given licences for mining in the border areas of Rajasthan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI RAMESH BAIS): (a) The Govt. of India had on 30.10.96, issued guidelines for grant of large areas for aerial prospecting under the provisions of Mines and Minerals (Regulation and Development) Act, 1957. In pursuance of these guidelines, the Ministry has approved 36 such proposals received from State Governments of Rajasthan, Maharashtra, Gujarat and Bihar.

(b) Details are given in the enclosed Statement. [Refer to the statement appended to the answer to Unstarred Question No. 2854 (b) and (c)]

(c) No. Sir.

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की अलाभकारी इकाइयां

2856. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की बहुत-सी इकाइयां अलाभकारी हैं;

(ख) यदि हां, तो इन अलाभकारी इकाइयों के नाम क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इन अलाभकारी इकाइयों को बंद करने का निर्णय लिया है; और

(घ) यदि हां, तो वर्तमान में इन इकाइयों में कार्य कर रहे कर्मचारियों की संख्या कितनी है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) और (ख) वर्ष 1997-1998 के दौरान स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के निम्नलिखित संयंत्रों को हानि हुई है:-

— दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी॰एस॰पी॰)
— राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर॰एस॰पी॰)
— भिश्र इस्पात संयंत्र (ए॰एस॰पी॰)
— सेलम इस्पात संयंत्र (एस॰ एस॰ पी॰)

(ग) और (घ) सरकार ने इन इकाइयों को बंद करने का निर्णय नहीं लिया है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया में आवश्यकता से अधिक स्टाफ का होना

2857. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में आवश्यकता से अधिक कर्मचारी हैं;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1998 की स्थिति के अनुसार कर्मचारियों की कुल संख्या क्या थी;

(ग) उस तिथि को वहां आवश्यकता से अधिक कर्मचारियों की संख्या क्या थी; और

(घ) क्या सरकार ने इन आवश्यकता से अधिक कर्मचारियों को सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया है; यदि हां, तो उन्हें क्या-क्या सुविधाएं दी जाएंगी?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) और (घ) इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण एवं नई प्रौद्योगिकी को अपनाने से इस्पात संयंत्रों में प्रारंभ में मुहैया करायी गई जन शक्ति को युक्तिसंगत बनाने की संभावना है। कार्य पद्धतियों के सुधार, पुनः प्रशिक्षण तथा पुनः तैनाती के माध्यम से जनशक्ति को युक्तिसंगत बनाने के प्रयास जारी हैं। ऐसा वार्षिक मानव संसाधन बजट, जहां स्वाभाविक वियोजन की प्रतिपूर्ति सावधानीपूर्वक विनियमित की जाती है, के जरिए किया जाता है।

31 मार्च, 1998 की स्थिति के अनुसार स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की कुल जनशक्ति 1,76,147 थी।

जनशक्ति को युक्तिसंगत बनाने संबंधी प्रयासों के भाग के रूप में सेल ने 01 मार्च, 1998 से स्वैच्छिक